सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल

शिक्षा बोर्ड परिसर, हांसी रोड़, भिवानी-127021

परिचय

सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल अपने प्रत्येक विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित स्कूल है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए स्कूल विद्यार्थियों को समन्वित, आनन्दमयी, नव प्रवर्तित एवं अनुकरणीय शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमें सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल का परिचय देते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है। यह स्कूल डॉ. राधाकृष्णन् शिक्षा समिति का उपक्रम है तथा हांसी रोड़, भिवानी स्थित हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा स्थापित एवं समर्पित है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल (S.R.S.) एक प्रगतिशील छात्रोन्मुखी सहशिक्षण संस्था है तथा सभी विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा देने हेतु प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि हम अपने छात्रों को इस ढंग से विकसित करें कि वे जागरूक बनें, सामाजिक उत्तरदायित्व से परिपूर्ण हों, रचनात्मक हों, स्पष्ट समझ वाले हो एवं समाज निर्माण में सहायक हों।

शिक्षा के क्षेत्र में क्रियात्मक अनुसंधान एवं "Best Practices" का अनुसरण करते हुए श्रेष्ठता के नये मानक स्थापित करना ही स्कूल का लक्ष्य है।

सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल अमेरिकी मनोविज्ञान जॉन डेवी के अनुभवाधारित स्कूल जो उन्होंने 1930 में अमेरिका में स्थापित किये थे, के आधार पर अनुभवात्मक स्कूल के रूप में स्थापित किया गया है। जॉन डेवी का मानना था कि छात्रों को वास्तविक जीवन के कार्यकलापों तथा चुनौतियों में सहभागी बनाना चाहिए जिससे अध्यापक, छात्र एवं परिवेश के मध्य अन्तः सम्बन्ध स्थापित हो सके। जॉन डेवी शिक्षा की पारम्परिक भाषण विधि को छात्रों के पूर्ण विकास के लिए बहुत उपयोगी नहीं मानते थे। उनका मानना था कि शिक्षक छात्रों को ऐसी अनुभवजन्य शिक्षा प्रदान करें जो उनके व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास में उपयोगी हो। क्रिया-कलापों के माध्यम से सीखना ज्यादा आनन्ददायक ही नहीं, अपितु ज्यादा स्थायी भी है। इस शिक्षण पद्धति में विद्यार्थी अपनी रूचि एवं योग्यता के अनुसार अपना ज्ञान स्वयं अर्जित करते हैं।

"विद्यार्थियों को कुछ कहने को दो न कि कुछ सीखने को, यदि कार्य करते हुए विद्यार्थी कुछ सोचने पर विवश होता है तो वह स्वतः ही सीख जाता है।"

जॉन डेवी

विद्यालय का उद्देश्य वाक्य है 'तमसो मा ज्योतिर्गमय' अर्थात हमें अन्धकार से प्रकाश की ओर ले चलो। इस उद्देश्य वाक्य में शिक्षा एवं ज्ञान सार निहित है। वास्तव में शिक्षा व्यक्ति को अपनी सही प्रवृति को समझने एवं स्वयं के सामर्थ्य को सिद्ध करने में सहायक होती है।

स्कूल संगठन

कक्षा में विद्यार्थियों की संख्या सीमित होगी। अध्यापक छात्र अनुपात भी कम होता है। समर्पित उत्साह-सम्पन्न अध्यापक अपने मित्रवत् व्यवहार एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में पूर्णकालिक सहयोग द्वारा अध्यापन को अनुभवात्मक एवं आनन्दमय बनाते है। स्कूल को चार सदनों (Houses) में विभाजित किया गया है- अवनि, पयस, तेजस तथा बयार। जो कि प्रकृति के तत्वों पर आधारित है। यह सफल मानव के गुणों को भी दर्शाता है। प्रत्येक छात्र को एक सदन (House) में रखा जाएगा जहाँ वह सदन (House) एवं अन्तः सदन (Inter House) गतिविधियों में भाग लेगा। गतिवधियां स्कूल कैलेंडर का महत्वपूर्ण हिस्सा होती हैं।

1. अवनि या पृथ्वी जीवन का आधार है तथा पदार्थों की परिचायक है। इस संसार में प्रत्येक वस्तु पदार्थ से बनी है। पृथ्वी हर वस्तु को पोषित करती है तथा स्थिरता की प्रतीक है। यह ठोस है, मजबूत है तथा सहनशील है।

2. पयस या जल शुद्धि एवं शुचिता का प्रतीक है। यह चिन्तन एवं गंभीरता को भी दर्शाता है। जल हमें अनुभूति की शक्ति देता है। यह सहज बुद्धि में हमें जानने तथा कल्पना करने की शक्ति देता है। यह हमें प्रेरित करता है कि हम स्वयं में विश्वास एवं दूसरों के प्रति सद्भावना रखें।

3. तेजस या अग्नि को हम अनुभव कर सकते हैं और देख भी सकते है। यह तेजस्वी है तथा ऊर्जावान है। अग्नि मजबूत इच्छा शक्ति तथा प्रबल, मनोभाव से परिपूर्ण है। हमारा मन अग्नि की भांति हमारे भीतर सृजनात्मकता, दृढ इच्छा शक्ति एवं साहस को जागृत करें ताकि हम अपने सिद्धान्तों एवं विश्वास पर स्थिर रह सकें।

4. बयार अथवा वायु हमारे चारों तरफ रहती है। हम वायु की तरह प्यार और प्रफुल्लता को इस जगत में चारों तरफ फैलायें और वायु की तरह अपने तेज से सारे संसार को अपने घेरे में समेट लें। वायु गति है, सम्बन्ध है, सम्पर्क है तथा मानव मन की उडान है। यह कर्म की गतिशीलता है इसमें तीव्रता है, चेतनता है और झिलमिलाता हुआ नवत्व है।

पाठ्यक्रम

सावधानी पूर्वक तैयार किया गया पाठ्यक्रम इस बात को सुनिश्चित करता है कि स्कूल में बिताये गये वर्षो के दौरान विद्यार्थी ज्ञान से अठखेलियां करते हुए गणित, विज्ञान, तकनीक, भाषाएं, समाज विज्ञान, पर्यावरण सम्बन्धी शिक्षा, कलाएं, शारीरिक शिक्षा आदि को अच्छी तरह से सीखेगा एवं समझेगा। पाठ्यक्रम को अध्यापकों द्वारा रचित कार्य पटल (Work Sheets) तथा विषय से सम्बन्धित प्रकल्प (Project) की सहायता से और गहन बनाया जाता है। छात्रों की जिज्ञासा को और तीव्र करने के लिए उन्हें प्रश्न पूछने के लिए लगातार प्रेरित किया जाता है। इसी प्रकार उन्हें क्रियान्वयन के माध्यम से समस्याओं को समाधान करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

शिक्षा का माध्यम

विद्यालय में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है। यद्यपि छोटे बच्चों को ज्ञान की अवधारणा मातृभाषा में सुगमता से होती है। अतः अध्यापकों को प्रशिक्षण इस ढंग से दिया जाता है कि वे प्राथमिक कक्षाओं में ज्ञान प्रेषण हिन्दी में भी करें।

प्री-प्राइमरी कक्षाएं

बच्चों को प्रेरित किया जाता है कि वे अपने चारों तरफ फैले पर्यावरण को खंगालें तथा यह समझने का प्रयास करें कि उनका इस सारे पर्यावरण में क्या स्थान एवं महत्व है। इसके लिए उन्हें ऐसे प्रोजैक्टस तथा क्रियाकलापों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जहां कला, शिल्प, टैक्नोलॉजी, संगीत तथा नृत्य का संगम हो। गतिविधियों को इस प्रकार से संयोजित किया जाता है कि बच्चे अपने शरीर के अंगों का सही समन्वय करना सीखें तथा आस पास के परिवेश का परिचय अपनी ज्ञानेन्द्रियों द्वारा कर सकें। एक मैत्रीपूर्ण वातावरण में वे अपने प्रति एक जागरूकता का भाव पैदा कर सकें जिसके माध्यम से वे दायित्व पूर्ण एवं सुयोग्य शिक्षार्थी बन सकें। शिक्षण के माध्यम से डरें नहीं, बल्कि उसे प्रसन्नता पूर्वक ग्रहण करें।

कनिष्ठ (Junior) कक्षाएं -

जूनियर स्कूल छात्रों की जिज्ञासा को और तीव्र करने में उनकी सहायता करेगा। शिक्षा की इस सीढ़ी पर विद्यार्थियों को भाषा के विभिन्न रंगों को समझाने का प्रयास होगा। इसी प्रकार गणित व विज्ञान के सिद्धान्त भी उन्हें सिखाये जाते है। विभिन्न प्रोजेक्टस के माध्यम से विद्यार्थियों में अपनी संस्कृति तथा धरोहर के बारे में जागरूकता पैदा की जाती है।

वरिष्ठ (Senior) कक्षाएं -

स्कूल हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध है तथा न केवल छात्रों को एक समृद्ध पाठ्यक्रम प्रदान करता है, अपितु क्षेत्रीय तथा सांस्कृतिक विविधता को भी अंगीकार करता है। जैसे-जैसे विषयों की संख्या बढ़ती जाती है, छात्रों के लिए शैक्षणिक चुनौतियां भी बढ़ती जाती है। इसी प्रकार, छात्रों के स्वयं तथा अपने परवेश के प्रति रूचि बढ़ती जाती है। अब समय आता है कि न केवल छात्रों की शिक्षा का सैद्धान्तिक पक्ष मजबूत हो, बल्कि उनके व्यक्तित्व एवं सामाजिक दृष्टिकोण में भी अभिवृद्धि हो। विद्यार्थियों को ज्ञान निपुणता तथा जीवन मूल्यों से अलंकृत करना ही हमारा लक्ष्य है कि वे पूर्ण उत्तरदायित्व एवं प्रभावी ढंग से स्कूल की अंतिम परीक्षा दे सकें। इसके अतिरिक्त हमारा यह भी लक्ष्य है कि वे जीवनोपयोगी दक्षताएं सीख कर अपने व्यक्तिगत जीवन को भी संवार सकें। वरिष्ठ माध्यमिक अर्थात कक्षा ग्यारहवीं के स्तर पर विद्यार्थियों को दो संकायों- विज्ञान तथा वाणिज्य में शिक्षा प्रदान की जायेगी। फिर छात्रों को उसी संकाय के अन्तर्गत बारहवीं अर्थात स्कूल की अन्तिम कक्षा की परीक्षा देनी होगी। विद्यार्थी अपनी अभिरूचि के अनुसार विषयों के योग चुन सकते है। स्कूल के पास न केवल सुयोग्य, अनुभवी एवं समर्पित अध्यापक हैं, अपितु पूर्ण रूपेण सुसज्जित प्रयोगशालाएं एवं संसाधन कार्यशालाएं भी है।

अतिरिक्त शैक्षणिक (Co-Curricular) गतिविधियाँ

शैक्षणिक कार्यक्रम के समानान्तर ही वर्षभर अतिरिक्त शैक्षणिक (Co-curricular) गतिविधियाँ जैसे कि खेलकूद, नृत्य, कला, मिट्टी से मूर्ति बनाना, नाट्य कला के कार्यक्रम चलते रहते है। विद्यार्थियों के लिए विभिन्न खेलकूद जैसे कि बॉस्केटबाल, क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिन्टन, टेबल-टेनिस तथा इनके अतिरिक्त एथेलैटिक्स आदि गतिविधियाँ स्कूल परिसर में ही कराई जाती है।

पर्यावरणीय शिक्षा

अपनी पृथ्वी को अधिक स्वच्छ, सुन्दर तथा हरीभरी बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के संदर्भ में हम अपने विद्यार्थियों को अपने देश की प्राकृतिक सम्पदा को संरक्षित रखने के लिए जागरूक करते हैं हमारी कुछ गतिविधियाँ इस प्रकार रहेंगी, पोलीथीन की थैलियों के विरुद्ध अभियान, वर्मीकल्चर, बारिश के पानी का संरक्षण, उसके पुर्नप्रयोग के लिए साफ करना इत्यादि।

स्कूल द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं :-

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प :

स्कूल में एक चिकित्सा कक्ष है, जिसमें एक प्रशिक्षित नर्स द्वारा विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होती है। हर विद्यार्थी का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है तथा उसकी हैल्थ फाईल बनाई जाती है। आपात् स्थिति में विद्यार्थियों को इलाज के लिए नजदीक के किसी अच्छे अस्पताल में भेजा जाता है।

अन्य सुविधाएं :

विद्यालय हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड, भिवानी में खुले विशाल परिसर में स्थित है। स्कूल में खेल के हरे-भरे मैदान विद्यार्थियों को खेलने की अपूर्व सुविधा प्रदान करते हैं। स्कूल की कक्षाएं भी खूब खुली तथा हवादार हैं। स्कूल आधुनिक छात्रोपयोगी सुविधाओं से परिपूर्ण हैं। इसमें कुछ सुविधाएं निम्नलिखित हैं

- आन्तरिक एवं बाह्य क्रीड़ा प्रांगण, खेल सुविधाएं
- कम्प्यूटर लैब
- पुस्तकालय तथा अन्य संसाधन केन्द्र
- कला, क्राफ्ट तथा मिट्टी के मॉडल बनाने का कक्ष
- संगीत तथा नृत्य कक्ष
- योग-कक्ष

प्रवेश प्रक्रिया

वर्ष में विद्यार्थियों की प्रवेश प्रक्रिया स्कूल में उपलब्ध सीटों के आधार पर निश्चित की जाएगी। प्रवेश सम्बन्धी पूछताछ हेतु

सर्वपल्ली राधाकृष्णन् लैब स्कूल,
शिक्षा बोर्ड परिसर, हांसी रोड़,
भिवानी-127021 में सम्पर्क करें।
दूरभाष : 01664-243900

Sarvepalli Radhakrishnan Lab School

Education Board Campus, Bhiwani

Setup and supported by the

Board of School Education, Haryana

For admission related queries, contact :
SARVEPALLI RADHAKRISHNAN LAB SCHOOL
Education Board Campus,
Hansi Road,
Bhiwani-127021
Tel. : 01664-243900

Sarvepalli Radhakrishnan Lab School

Education Board Campus, Hansi Road, Bhiwani-127021 (Haryana)

Introduction

The Sarvepalli Radhakrishnan Lab School is "a school committed to holistic development of every child through inclusive, joyful and innovative education worthy of replication."

We are delighted to introduce to you the Sarvepalli Radhakrishnan Lab School which is an initiative of Dr. S. Radhakrishnan Shiksha Samiti, set up & supported by the Education Board in its campus at Hansi Road, Bhiwani, Haryana. The Sarvepalli Radhakrishnan Lab School (SRS) is a progressive, secular, child centered, co-educational school committed to providing quality education to all its students. Our aim is to develop students who are aware, socially responsible, creative, clear thinkers and capable of contributing positively to society.

The Sarvepalli Radhakrishnan Lab School aims at establishing a reputation for educational innovation and academic excellence through action research into educational best practices worthy of emulation.

The Sarvepalli Radhakrishnan Lab School is being set up as a Lab School based on American psychologist John Dewey's Model of Experiential Schools set up in America in 1930. Dewey believed that students should be involved in real life tasks and challenges so that there is focus on teacher, student and environmental interaction rather than traditional lectures. Educators are responsible, therefore, for providing students with experiences that are immediately valuable and which better enable the students to contribute to society. Learning by doing is more fun and results in long term gains. Children construct their own knowledge depending on their interest and capability.

"Give the pupils something to do, not something to learn; and the doing is of such a nature as to demand thinking; learning naturally results"

John Dewey

The school motto "Tamaso Ma Jyotirgamaya" from darkness lead us to light, encapsulates the significance of education and knowledge. Education provides an understanding of one's true nature and realization of one's true potential.

Organisation of the School

Class sizes are limited to a favourable, student teacher ratio. Full time co-curricular staff gives support to a committed, nurturing and dynamic academic faculty to make education experiental and fun filled.

The School is divided into four houses Avni, Payus, Tejas and Bayaar based on the Elements of Nature symbolic of the qualities and essentials of a successful human being. Each child is allotted a house when he/she joins and inter house activities form an important part of the school calendar.

1. Avni or Earth is the foundation of life and represents matter. Everything in the universe is made up of matter. Earth is nurturing and stable, solid and firm, full of endurance and strength.

2. Payus or water is life giving and purifying. It is reflective and deep. Water is the ability to feel, intuitively know and imagine. It inspires us to be full of compassion and to have faith.

3. Tejas or Fire can be heard, felt and seen. It is radiant, vitalizing energy. Fire is connected to strong will and passion. Our mind should be the fire that ignites within us creativity and the resolve and courage to follow our convictions.

4. Bayaar or Air is all around us. We should spread love and joy in the world and our radiance should be strong enough to encompass the world just like the air. Air is movement, contact, communication and the stirrings of the mind. It is flexibility of action, the quick, alert, sparkling and new.

The Curriculum

A carefully planned curriculum ensures that the child enjoys the years spent in learning and discovery and acquires a sound understanding of concepts in Mathematics, Science and Technology, Languages, Social Studies, environmental Education, Arts and personal, social and physical education.

The syllabus is enriched by teacher designed worksheets and subjects integrated projects. Emphasis is placed on learning by asking questions, problem solving and through application.

Pre-Primary Years

Children are encouraged to explore the environment around them and their place in it, through projects which integrate art, craft, technology, music and dance. Activities are designed to develop their fine motor skills and encourage sensorial development. In a nurturing environment, they develop an awareness of themselves as responsible, capable learners. They begin the process of learning by loving it!

Junior Years

The Junior School builds on the spirit of exploration and emphasis is placed on acquiring sound language skills, clarity of mathematical concepts and the discovery of scientific principles. Through projects work, students are given an awareness of the richness of their culture and heritage.

Senior Years

The School is affiliated to the Board of School Education Haryana and offers a rich curriculum which takes into account regional and cultural diversity. Academically, challenges increase as the number of subjects goes up as does the child's own interest in self and others. The emphasis is on consolidation of concepts and the student's academic and social growth. Our objective is to equip the students with knowledge, skills and values which will enable them to take their school leaving examinations with responsibility and effectiveness, gain life skills for their personal development.

At the Senior Secondary level i.e. class XI, the students are offered a variety of subjects in two streams namely science and Commerce for the final school leaving examination. Students are able to choose combinations in keeping with their aptitude and interests. The School has well equipped laboratories and resource rooms in addition to a highly committed and competent faculty.

Co-curricular Activities

Throughout the school a rich curricular programme of sport, dance, music, art, clay, drama runs parallel to the academic curriculum. Students enjoy a variety of games like basketball, cricket, football, badminton, table tennis along with track and field events within the school campus.

Environment

In keeping with our commitment to a cleaner and greener earth, we undertake initiatives to make our students aware of the rich natural heritage of our country and how to look after it. To name a few-Say 'No to Polybags, Vermiculture, Rain Water Harvesting, Recycling and Reusing.

Schools Services

Medical:

There is a medical room with a trained nurse to cater to routine medical problems. All children will undergo an annual medical checkup and a health file will be maintained for each student. In the event of an emergency the students will be referred to a well equipped hospital in the vicinity.

Facilities:

The school is situated in an open, spacious site within campus of the Haryana School Education Board, Hansi Road, Bhiwani. The grounds are landscaped and provide diverse playing areas. The classrooms are spacious and well equipped and the school is resourced with modern and well maintained facilities.

These include:

* Sports Fields, Indoor/Outdoor Sandpits and Play Areas
* Computer Centre
* Library and Resource Centre
* Art, Craft and Clay Rooms
* Music and Dance Rooms
* Yoga Room

Admission Procedure

Students are admitted to the school through the year depending on the vacancies arising.

For admission related queries,
Please contact:
SARVEPALLI RADHAKRISHNAN LAB SCHOOL, Education Board Campus, Hansi Road, Bhiwani-127021
Tel.: 01664-243900